



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 652]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 30, 2007/ज्यैष्ठ 9, 1929

No. 652]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 30, 2007/JYAISTHA 9, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2007

(आय-कर)

का.आ. 853(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 12क के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (सातवां संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) ये 1 जून 2007 से प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में,—

(1) नियम 17क-में,—

(i) “खंड (क)” शब्द, कोष्ठकों और अक्षर के स्थान पर “उप-धारा (1) का खंड (कक)” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(ii) खंड (क) के परंतुक में “मुख्य आयुक्त या” शब्दों का लोप किया जाएगा।

(2) परिशिष्ट-II के प्ररूप सं. 10क में,—

(i) प्ररूप सं. 10क के नीचे आने वाले शीर्षक में “धारा 12क (क)” शब्द, अंकों, अक्षरों और कोष्ठकों के स्थान पर “धारा 12क की उप-धारा (1) का खंड (कक)” शब्द, कोष्ठक, अक्षर और अंक रखे जाएंगे;

(ii) “मुख्य आयुक्त या” शब्दों का लोप किया जाएगा।

[अधिसूचना सं. 197/2007/फा. सं. 142/07/2007—टीपीएल]

चंदना रामचंद्रन, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. का.आ. 969 तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन आय-कर (चौथा संशोधन) नियम, 2007 अधिसूचना सं. का.आ. 762(अ) तारीख 14-05-2007 द्वारा किया गया।